

नाम जप या ध्यान 4. साहित्य में एक प्रकार का अर्थालंकार, जिसमें पहले की देखी हुई कोई चीज या सुनी हुई कोई बात उसी प्रकार की कोई चीजे देखने या बात सुनने पर फिर से याद आने या मन में उसका ध्यान आने का उल्लेख होता है उदा. मैं पाता हूँ मधु ध्वनि में गूँजने में खगों के। मीठी तानें परम प्रिय की मोहिनी वंशिका की-अयोध्यासिंह उपाध्याय।

स्मरण पत्र पुं. (तत्.) कोई बात स्मरण करने के लिए लिखा जाने वाला पत्र। reminder

स्मरण शक्ति स्त्री. (तत्.) वह मानसिक शक्ति जो अपने सामने होने वाली घटनाओं और सुनी जाने वाली बातों को ग्रहण करके मन में रक्षित रखती है और आवश्यकता पड़ने, प्रसंग आने पर फिर हमारे मन में स्पष्ट कर देती है, याद रखने की शक्ति, याददाश्त। memory

स्मरणातीत वि. (तत्.) जो स्मरण न आ पा रहा हो, जो स्मरण से परे हो, विस्मृत।

स्मरणानुग्रह पुं. (तत्.) 1. स्मरण करने की कृपा/अनुग्रह, याद करने की मेहरबानी 2. कृपापूर्वक स्मरण।

स्मरणाभास पुं. (तत्.) देखे, सुने या अनुभूत पदार्थ का कालांतर में स्मरण न होकर उसकी जगह दूसरे पदार्थ का स्मरण होना।

स्मरणासक्ति स्त्री. (तत्.) भगवान के स्मरण में होने वाली आसक्ति जिसके कारण भक्त दिन-रात भगवान या इष्टदेव का स्मरण करता है उदा. (यह भक्ति) एक रूप ही होकर गुणमहात्मासक्ति, रूपासक्ति, पूजासक्ति, स्मरणासक्ति, दासासक्ति, सख्यासक्ति, कांतासक्ति, वाचात्सल्यासक्ति, आत्मनेवेदनासक्ति, तन्मयासक्ति और परम विरहासक्ति रूप से एकादश प्रकार की होती है।

स्मरणी स्त्री. (तत्.) सुमिरनी।

स्मरणीय वि. (तत्.) 1. स्मरण करने योग्य, याद करने लायक, ध्यान में लाने योग्य 2. स्मरण रखने योग्य, याद रखने लायक।

स्मरता स्त्री. (तत्.) 1. स्मर या कामदेव का भाव या धर्म 2. स्मरण रखने की शक्ति, स्मृति।

स्मरदशा स्त्री. (तत्.) साहित्य में वह दशा जो प्रेमी या प्रेमिका के न मिलने पर उसके विरह में होती है, विरह की अवस्था टि. काव्यशास्त्र में स्मरदशा की 10 प्रमुख स्थितियों का वर्णन मिलता है- असौष्ठव, ताप, पांडुता, कृशता, अरुचि, अधैर्य, अनालंबन, तन्मयता, उन्माद, मरण।

स्मरदहन पुं. (तत्.) 1. कामदेव को भस्म करने वाले, शिव 2. शिव के द्वारा कामदेव के भस्म किए जाने की घटना।

स्मरदीपन वि. (तत्.) जिसमें काम उत्तेजित हो, कामोत्तेजक।

स्मरध्वज पुं. (तत्.) 1. पुरुष का लिंग 2. एक प्रकार का बाजा।

स्मरना पुं. (तत्.) 1. स्मरण करना, याद करना 2. सुमिरना।

स्मरप्रिया स्त्री. (तत्.) कामदेव की प्रिया, रति।

स्मरमंदिर पुं. (तत्.) भग, योनि।

स्मरयम वि. (तत्.) 1. प्रेम या वासना से युक्त 2. प्रेम या वासना से उद्भूत।

स्मरवती स्त्री. (तत्.) स्त्री जिससे प्यार किया जा रहा हो।

स्मरवल्लभ पुं. (तत्.) 1. वसंत ऋतु 2. श्रीकृष्ण के पुत्र प्रद्युम्न का पुत्र अनिरुद्ध।

स्मरवीथिका स्त्री. (तत्.) वेश्या, रंडी।

स्मरशर पुं. (तत्.) 1. कामदेव का बाण 2. कामदेव के पाँच बाण टि. कामदेव के पाँच बाण हैं मोहन, उन्मादन, संतपन, शोषण और निश्चेष्टीकरण, कामदेव के पाँच पुष्पबाण हैं- लाल कमल, नीलकमल, अशोकपुष्प, आम्रमंजरी और चमेली।

स्मरशासन पुं. (तत्.) कामदेव को दंडित करने वाला शिव, महादेव।

स्मरशास्त्र पुं. (तत्.) कामशास्त्र।